Syllabus (CBSC) for M.A.- I Hindi
From June 2022

Name of the Programme	: M. A. Hindi
Programme Code	: PAHN
Class	: M.A.- I
Semester	: I
Course Name	: **प्रश्नपत्र–1 विशेष स्तर : प्राचीन तथा** e/;;qxhu dk0; ¼vehj [kqljks rFkk jghe½
Course Code	: PAHN111
No. of Lecture	: 60

Course Outcome :

1. छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित होंगे।
2. हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए प्राचीन भाषा एवं शिल्प से परिचित होंगे।
3. तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों का ज्ञान होगा।
4. प्राचीन कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।
5. सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी dk]

rqGtkjke prqjpan egkfon~;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

(स्वायत्त½

,e- ,- ¼Hkkx&1½

lsfeLVj	isij dksM ua-	isij dk uke	ØsfMV
I	**PAHN111**	**प्रश्नपत्र–1 विशेष स्तर : प्राचीन तथा** e/;;qxhu dky ¼vehj [kqljks rFkk jghe½	04

,e-,- ¼fgUnh½ iFke l=

प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर

ikphu vkSj e/;;qxhu dkO;

¼vehj [kqljks rFkk jghe½

PAPER CODE : PAHN111

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

ikB~;Øe

शैक्षिक वर्ष : [2022-23 l=]

उद्देश्य (Objectives) %

1. हिंदी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।
2. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य–कृतियों का परिचय कराना।
3. प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्य कला से छात्रों को अवगत कराना।
4. छात्रों को हिंदी की प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित कराना।
5. छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।

visf{kr ifj.kke (Outcomes) %

1. छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित होंगे।
2. हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए प्राचीन भाषा एवं शिल्प से परिचित होंगे।
3. तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों का ज्ञान होगा।
4. प्राचीन कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।
5. सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।

v/;kiu in/kfr %

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी. /भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

ikB; iqLrd %

1½ vehj [kqljk vkj mudk fgUnh lkfgR;

संपादक : डॉ. भोलानाथ तिवारी

प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड,

नई दिल्ली – 110 002

ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ :

अ) पहेलियाँ

1. अंतर्लिपिका – 2, 7, 15,

2. बहिर्लिपिका – 2, 13,

आ) मुकरियाँ – 1, 11, 19,

इ) दो सखुन – = 10

ई) ढकोसले - 07

उ) कव्वाली - 02

ऊ) **निसबते** - 10

¼rkfldk,¡ 15 ?kaVs ¾ J`;kd@dekd@ØfMV & 01 ½

2½ jghe xzFkkoyh % nksgkoyh

(1 ls 50 nksgs)

संपादक : विद्यानिवास मिश्र,गोविंद रजनी"ा

प्रकाशक : वाणी प्रका"ान 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली

¼rkfldk,¡ 15 ?kaVs ¾ J`;kd@dekd@ØfMV& 01½

v/;;uKFk fo"k; %

1. अमीर खुसरो–व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता
3. अमीर खुसरो की रचनाओं में लोकरंजकता
4. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान
5. अमीर खुसरो की भाषा तथा काव्य कला
6. अमीर खुसरो की देन - कव्वाली

¼rkfldk,¡ 15 ?kaVs ¾ J`;kd@dekd@ØfMV& 01 ½

7.रहीम व्यक्तित्व एवं कृतित्व
8.रहीम के काव्य नीति
9.रहीम के काव्य में सौंदर्य वर्णन
10. रहीम के काव्य में कल्पना और यथार्थ
11. रहीम के काव्य में भाषा
12. रहीम के काव्य भावपक्ष और कलापक्ष

¼rkfldk,¡ 15 ?kVs ¾
J¡;kd@dekd@ØfMV& 01½

अंक विभाजन : पूर्णांक 100
अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा/टेस्ट/भाषा कौ”ाल/मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

i¡'ui= dk Lo:i

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्र”न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र”न	12
प्र”न क्र. 2) लघुत्तरी प्र”न (50- 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र”न क्र. 3) लघुत्तरी प्र”न (100- 120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्र”न (2 में से 1)	12

&&&&&&&&&&&&

l¡nHkZ xzFk %

1. अमीर खुसरो – डॉ. हरदेव बाहरी
2. खुसरो की हिंदी कविता– ब्रजरत्न दास
3. अमीर खुसरो – भोलानाथ तिवारी
4. रहीम ग्रथावली – विद्यानिवास मिश्र,गोविंद रजनि”ा
5. मध्यकालीन कविता का पाठ – डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल
6. काव्य पराग – डॉ. आनंदप्रका”ा दीक्षित
7. रहीम – रामनरे”ा त्रिपाठी
8. हिंदी के प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
9. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल

&&&&&&&&&&&&

Syllabus (CBSC) for M.A.- I Hindi
From June 2022

Name of the Programme : M. A. Hindi
Programme Code : PAHN
Class : M.A.- I
Semester : I
Course Name : **प्रश्नपत्र–2 विशेष** Lrj % vk/kqfud fgUnh dFkk lkfgR; ¼miU;kl vkSj dgkuh½
Course Code : PAHN112
No. of Lecture : 60

Course Outcome :

1. छात्रों में साहित्य पढने की रूचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।
2. साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल, भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।
3. आधुनिक कथासाहित्यकारों से परिचित होंगे।
4. नवसृजन लेखन की प्रेरणा जागृत होगी।
5. सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।

अनेकांत एज्युकेशन lkslk;Vh dk]

r|G tkjke pr|jpn egkfon~;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

(स्वायत्त)

,e- ,- ¼Hkkx&1½

lfeLVj	iz'ui= dkM u-	iz'ui= dk uke	ØsfMV
I	**PAHN112**	**प्रश्नपत्र–2 विशेष** Lrj % vk/kqfud fgUnh dFkk lkfgR; ¼miU;kl vkSj dgkuh½	04

,e-,- ¼fgUnh½ iFke l=
प्रश्नपत्र 2 : विशेष Lrj
vk/kqfud fgUnh dFkk lkfgR;
¼miU;kl vkSj dgkuh½
PAPER CODE : PAHN112
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)
ikB~;Øe
(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

<u>उद्देश्य</u> (<u>Objectives</u>) %

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा वि”ोष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना वि”ोष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

<u>vif{kr ifj.kke</u> (**<u>Outcomes</u>**)

1. छात्रों में साहित्य पढने की रूचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।
2. साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल, भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।
3. आधुनिक कथासाहित्यकारों से परिचित होंगे।
4. नवसृजन लेखन की प्रेरणा जागृत होगी।
5. सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।

<u>v/;kiu in/kfr</u> **(<u>Pedagogy</u>)** %

1. व्याख्यान तथा वि”लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

---

ikB~;iqLrd %

1) उपन्यास & ^अकाल में उत्सव' : पंकज सुबीर
प्रका”ाक : f”ावना प्रका”ान, सम्राट कॉम्प्लैक्स, सीहोर- 466001(म.प्र.)

2) कहानी द”ाक - संपादन–हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे वि”वविद्यालय, **पुणे**
प्रका”ाक : परिदृ”य प्रका”ान, मुंबई

---

v/;;ukFkZ fo"k;%

1. हिंदी उपन्यास विधा का सामान्य परिचय
2. हिंदी उपन्यास का विकास
3. विवेच्य रचनाकार का व्यक्तित्व एव ंकृतित्व
4. ^अकाल में उत्सव' : तात्विक विवेचन

¼rkfldk,¡ 15 ?kVs ¾
J;kd@dekd@ØfMV& 01 ½

5. ^अकाल में उत्सव' : संवेदनाएँ
6.^अकाल में उत्सव' : विभिन्न समस्याएँ
7. ^अकाल में उत्सव' : पात्रों का चरित्र चित्रण
8. ^अकाल में उत्सव' : f"ाल्प पक्ष
9. ^अकाल में उत्सव' : शीर्षक की सार्थकता

¼rkfldk,¡ 15 ?kVs ¾
J;kd@dekd@ØfMV& 01 ½

v/;;ukFkZ fo"k;%

1. हिंदी कहानी विधा का विकास
2. कहानी विधा के तत्व तथा आलोचना : हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के संदर्भ में

fgnh J"B dgkfu;k

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. आका"ादिप - जय"ांकर प्रसाद

¼rkfldk,¡ 15 ?kVs ¾
J;kd@dekd@ØfMV& 01 ½

3. गैंग्रीन - अज्ञेय
4. सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
5. साजि"ा- सूरजपाल चौहान
6. जंगल गाने लगा - अंकुश्री
7. दूसरा ताजमहल - नासिरा शर्मा
8. दुख - य"ापाल

¼rkfldk,¡ 15 ?kVs ¾
J;kd@dekd@ØfMV& 01 ½

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / भाषा कौ”ाल / मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

i!'ui= dk Lo:i

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्र”न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र”न	12
प्र”न क्र. 2) लघुत्तरी प्र”न (50- 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र”न क्र. 3) लघुत्तरी प्र”न (100- 120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 5) दिर्घोत्तरी प्र”न (2 में से 1)	12

&&&&&&&&&&&&

lnHkZxzFk %

1. अट्ठारह उपन्यास : राजेंद्र यादव
2. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष–संपा. रामदर”ा मिश्र
3. समकालीन हिंदी उपन्यास–डॉ. विवेकी राय
4. उपन्यास : स्थिति और गति–डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
5. आज का हिंदी उपन्यास– डॉ. इंद्रनाथमदान
6. आज का हिंदी उपन्यास– डॉ. इंद्रनाथमदान
7. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की ि”ाल्पविधि : डॉ.सत्यपाल चुघ
8. नई कहानी का स्वरूप विवेचन–डॉ. इंदु र”िम
9. नई कहानी के विविध प्रयोग– श”िा भूषण पाण्डेय शीतांषु
10. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ. पुष्पपाल सिंह
11. नई कहानी की भूमिका–कमले”वर
12. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति–देवी”ांकर अवस्थी
13. उत्तर ”ाती का हिंदी साहित्य–संपा. डॉ. सुरे”ाकुमार जैन
14. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य –डॉ. राजेंद्र खैरनार
15. हिमांशु जोशी का कथा साहित्य – डॉ. अनिल साळुंखे

——————————————

Syllabus (CBSC) for M.A.- I Hindi
From June 2022

Name of the Programme	: M. A. Hindi
Programme Code	: PAHN
Class	: M.A.- I
Semester	: I
Course Name	: i'ui=&3 विशेष Lrj % भारतीय साहित्यशास्त्र
Course Code	: PAHN113
No. of Lecture	: 60

Course Outcome :

1. छात्र भारतीय साहित्य”ाास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
2. छात्र साहित्य और साहित्य”ाास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।
3. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।
4. छात्र साहित्य”ाास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।
5. साहित्य के सौंदर्यशास्त्र की पहचान होंगी।

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

r|G tkjke pr|jp:n egkfon`;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

(स्वायत्त)

,e- ,- ¼Hkkx&1½

lfeLVj	iszij dkM ua-	iszij dk uke	ØsfMV
I	**PAHN113**	iz'ui=&3 **विशेष स्तर** % Hkkjrh; **साहित्यशास्त्र**	04

,e-,- ¼fgnh½ iFke l=
प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर
भारतीय साहित्यशास्त्र
PAPER CODE : PAHN113
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट= 04)

ikB;Øe
(शैक्षिक वर्ष : 2022&23 l½

उद्देश्य (Objectives) %

1. छात्रों को भारतीय साहित्य”ाास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्य”ाास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छात्रों को भारतीय साहित्य”ाास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
4. साहित्य और साहित्य”ाास्त्र के सहसंबंधों से छात्रों को अवगत कराना।
5. छात्रों को साहित्य”ाास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना।
6. छात्रों को भारतीय साहित्य”ाास्त्र के सिद्धांतों में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
7. साहित्य”ाास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

vf{kr ifj.kke (Outcomes) %

1. छात्र भारतीय साहित्य”ाास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
2. छात्र साहित्य और साहित्य”ाास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।
3. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।
4. छात्र साहित्य”ाास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।
5. साहित्य के सौंदर्यशास्त्र की पहचान होंगी।

v/;kiu in/kfr (Pedagogy) %

1. व्याख्यान तथा वि”लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी. / भाषा प्रयोग”ााला का प्रयोग।
5. अतिथि वि”ोषज्ञों के व्याख्यान ।

v/;;ukFk fo"k; %

1- jl fln/kkr %

रस का स्वरूप, भरतमुनि का रससूत्र, रस के अवयव (अंग), रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा, करुण रस का आस्वाद।

¼rkfldk,¡ 15 ?kV¡ ¾ J¡;kd@dekd@ ØfMV& 01 ½

2- vyadkj fln/kkr %

अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, अलंकार सिद्धांत का स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार और रस, काव्य में अलंकार का स्थान।

¼rkfldk,¡ 09 ?kV¡ ¾ J¡;kd@dekd@ ØfMV &½ $

3- jhfr fln/kkr %

रीति शब्द की व्युत्पत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली।

¼rkfldk,¡ 06 ¾ 15 ?kV¡ J¡;kd@dekd@ ØfMV & 01½

4- /ofu fln/kkr %

ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्द–"ाक्ति, ध्वनि सिद्धांत का महत्व।

¼rkfldk,¡ 15 ?kV¡ ¾ J¡;kd@dekd@ ØfMV & 01½

5- oØksfDr fln/kkr %

वक्रोक्ति की परिभाषा, आचार्य कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों का सोदाहरण परिचय, वक्रोक्ति का महत्व।

¼rkfldk,¡ 08 ?kV¡ J¡;kd@dekd@ ØfMV & ½ $

6- vkSfpR; fln/kkr %

औचित्य का स्वरूप, आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेन्द्र का औचित्य विचार, औचित्य के भेद, अन्य सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व।

¼rkfldk,¡ 07 ¾ 15 ?kV¡ J¡;kd@dekd@ØfMV& 01 ½

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

i;'ui= dk Lo:i

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्र”न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र”न	12
प्र”न क्र. 2) लघुत्तरी प्र”न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र”न क्र. 3) लघुत्तरी प्र”न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्र”न (2 में से 1)	12

————————

lanHkZ xzaFk %

1. काव्य”ाास्त्र की रूपरेखा– डॉ. रामदास भारद्वाज

2. भारतीय काव्य”ाास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव शर्मा

3. काव्य”ाास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र

4. भारतीय काव्य”ाास्त्र –डॉ. विजयपाल सिंह

5. भारतीय काव्य”ाास्त्र एवं पा”चात्य साहित्य–चिंतन– डॉ. सभापति मिश्र

6. भारतीय एवं पा”चात्य काव्य”ाास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चन सिंह

7. भारतीय तथा पा”चात्य काव्य”ाास्त्र– डॉ. सुरे”ाकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर

8. साहित्य”ाास्त्र के प्रमुख सिद्धांत– डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

9. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ. नगेंद्र

10. भारतीय काव्य”ाास्त्र–(खंड़–1 और 2)– आचार्य बलदेव उपाध्याय

11. भारतीय काव्य”ाास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

12. भारतीय काव्य”ाास्त्र के सिद्धांत– डॉ. तेजपाल चौधरी

13. भारतीय तथा पा”चात्य काव्य”ाास्त्र– प्रो. हरिमोहन

14. भारतीय काव्य”ाास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

15. भारतीय काव्य”ाास्त्र के सिद्धांत– डॉ. जालिंदर इंगळे

16. भारतीय काव्य”ाास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव झारी

&&&&&&&&&&&&&&

Syllabus (CBSC) for M.A.- I Hindi
From June 2022

Name of the Programme	: M. A. Hindi
Programme Code	: PAHN
Class	: M.A.- I
Semester	: I
Course Name	: i'ui=&4 **विशेष** Lrj % **विशेष साहित्यकार : कबीर**
Course Code	: PAHN114
No. of Lecture	: 60

Course Outcome :

1. छात्रों को मध्ययुगीन काव्य की प्रवृत्तियों का महत्व समझेगा।
2. छात्रों में मध्ययुगीन हिंदी काव्य के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।
3. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति गहरी रूचि निर्माण होगी।
4. छात्रों में महात्मा कबीर के विचारों से प्रभावित होगें।
5. छात्र महात्मा कबीर के विचारों को वर्तमान काल के परिप्रेक्ष्य में विचार करेंगें।
6. छात्र तत्कालीन काव्यभाषा से परिचित होगें।

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

r|G tkjke pr|jpin egkfon ;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

¼Lokयत्त)

,e- ,- ¼Hkkx&1½

IfeLVj	i=i j dkM u-	i=i j dk uke	ØfMV
I	**PAHN114**	i='ui=&4 **विशेष स्तर** % **विशेष साहित्यकार : कबीर**	04

,e-,- ¼fgUnh½ iFke l=
प्रश्नपत्र 4 : विशेष स्तर
foशk"k lkfgR;dkj % dchj
PAPER CODE : PAHN114
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल J;kd@dekd@ØfMV¾ 04½
ikB;Øe
(शैक्षिक वर्ष : 2022&23 l½

mnnश; **(Objectives)** %

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
2. छात्रों को कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
4. तत्कालीन काव्यभाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।

vif{kr ifj.kke **(Outcomes)** %

1. छात्रों को मध्ययुगीन काव्य की प्रवृत्तियों का महत्व समझेगा।
2. छात्रों में मध्ययुगीन हिंदी काव्य के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।
3. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति गहरी रूचि निर्माण होगी।
4. छात्रों में महात्मा कबीर के विचारों से प्रभावित होगें।
5. छात्र महात्मा कबीर के विचारों को वर्तमान काल के परिप्रेक्ष्य में विचार करेंगें।
6. छात्र तत्कालीन काव्यभाषा से परिचित होगें।

v/;kiu in/kfr **(Pedagogy)** %

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
5. दोहों और पदों की प्रस्तुति।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

ikB~;xzFk %

dchj xzFkkoyh & lEiknd % ';kelqUnj nkl

izdk'kd % ukxjh izpkfj.kh lHkk] okjk.klh

lUnHkZ O;k[;k ds fy, dfo fuEufyf[kr Nan %

1. गुरुदेव कौ अंग : 4, 20, 26, 34 = 04
2. सुमिरण कौ अंग : 4, 5, 9, 25 = 04
3. विरह कौ अंग : 3, 18, 21, 45, = 04
4. निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग : 2, 3, 9, 14 = 04

¼rkfydk,¡ 15 ?kaVs ¾ J;kad@dekad@ØsfMV 01½

5. निंद्या कौ अंग : 2, 3, 4, 8 = 04
6. पद : 1, 40, 43, 59, 156, 180, 198, 251, 274, 290 = 10

¼rkfydk,¡ 15 ?kaVs ¾ J;kad@dekad@ØsfMV 01½

v/;;uFkZ fo"k; %

1. निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि : संत कबीर
2. कबीर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3. कबीर के धार्मिक विचार
4. कबीर काव्य में विद्रोह
5. समाज सुधारक के रूप में कबीर

¼rkfydk,¡ 15 ?kaVs ¾ J;kad@dekad@ØsfMV 01½

6. कबीर का प्रेम तत्व और विरह भावना
7. कबीर का रहस्यवाद
8. कबीर के राम
9. कबीर की दा”िनकता– ब्रह्म, जीव, माया, जगत, मोक्ष
10. कबीर की उलटबासियॉ और प्रतीक पद्धति
11. कबीर काव्य की प्रासंगिकता

¼rkfydk,¡ 15 ?kaVs ¾ J;kad@dekad@ØsfMV 01½

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

iz'ui= dk Lo:i

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्र”न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र”न	12
प्र”न क्र. 2) लघुत्तरी प्र”न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र”न क्र. 3) लघुत्तरी प्र”न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्र”न (2 में से 1)	12

———————

lanHkZ xzaFk %

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्‌विवेदी
2. कबीरः संपा. विजयेंद्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
4. कबीर साहित्य की परंपरा : आ. परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर चितंन और सर्जन : संपा. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. कबीर : एक विवेचन : डॉ. सरनामसिंह शर्मा ‘अरुण’
7. नाथ और संत साहित्य : डॉ. नागेंद्रनाथ उपाध्याय
8. हिंदी संतों का उलटबाँसी साहित्य : डॉ. रमेशचंद्र मिश्रा
9. कबीर साधना और साहित्य : डॉ. प्रतापसिंह चौहान
10. कबीर एक अनुशीलन : डॉ. रामकुमार वर्मा
11. युग पुरुष कबीर : रामचंद्र वर्मा
12. कबीर वचनामृत : संपा. डॉ. विजेंद्र स्नातक, डॉ. रमेशचंद्र मिश्र

————————————